ॐ

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम् **विषय-हिन्दी**

दिनांक-06/06/2020 **क्षितिज-काव्य- खंड**

सुप्रभात बच्चों!

आपका दिन मंगलमय हो! प्यारे बच्चों , कभी भी कोई चीज आसानी से प्राप्त नहीं होती है ।जीवन में किसी भी चीज को पाने के लिए कठिन तप करना होता है ।हमारे द्वारा किया गया कठिन तप ही हमारे जीवन में आनन्द का मार्ग प्रशस्त करता है ।

आज हमलोग 'अपने पाठ्यपुस्तक क्षितिज' काव्य- खंड की ओर पुन: चलते हैं।आपने अभी तक जो भी कविताएं पढ़ी हैं, उन कविताओं को भावार्थ सहित याद कर लिया होगा। उनके अर्थ को अच्छी तरह समझ लिया होगा। आगे की कविता, जो मैं पढ़ाने जा रही हूं उस कविता का

शीर्षक है 'कैदी और कोकिला' इस कविता के कवि हैं, माखनलाल चतुर्वेदी। आज मैं आपको माखनलाल चतुर्वेदी के जीवन से संक्षिप्त परिचय करवाती हूं।

जन्म – 4 अप्रैल 1888

जन्म स्थान – बाबई, होशंगाबाद (म०प्र०)

पिता – नन्दलाल चतुर्वेदी

मृत्यु – 30 जनवरी 1938

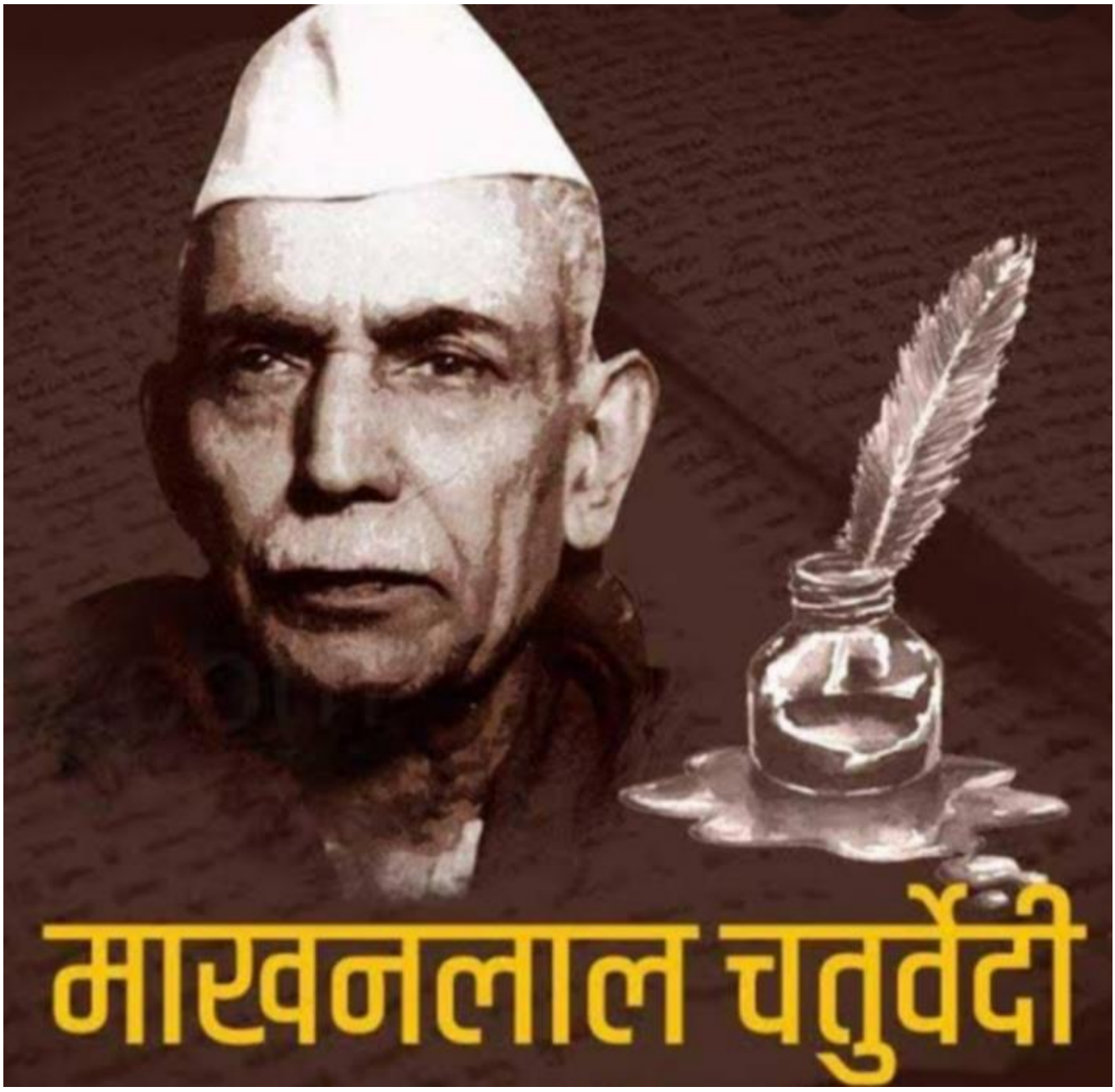
माखनलाल चतुर्वेदी

<u>साहित्यक परिचय</u> –

चतुर्वेदी जी की सर्वाधिक रचनाओं में राष्ट्र के प्रति राष्ट्र प्रेम का भावना उल्लखित है प्रारम्भ में इनकी रचनाएँ भक्तिमय और आस्था से जुडी हुयी थी किन्तु राष्ट्रीय आंदोलन और स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सेदारी के बाद इन्होंने अपनी रचनाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पित करना आरम्भ कर दिया !

<u>रचनाएँ</u> –

हिमकिरीटीनी, हिम तरंगिणी, युग चर, समर्पण, मरण ज्वार, माता, रेणु लो गूंजे धरा, बीजुरी, काजल, आँज, साहित्य के देवता, समय के पाँव, अमीर इरादे-गरीब इरादे, कृष्णार्जुन युद्ध इत्यादि ।

<u>पुरस्कार व सम्मान</u> –

1943 ई० में देव पुरस्कार (उस दौर का हिन्दी साहित्य का सबसे बड़ा पुरस्कार) 1963 में भारत सरकार द्वारा **पद्मभूषण** (10 सितम्बर 1967 ई० को राष्ट्र भाषा हिन्दी पर आधात करने वाले राजभाषा संविधान संशोधन विधेयक के विरोध में माखनलाल जी ने यह अलंकरण लौटा दिया)

1955 ई० में साहित्य अकादमी पुरस्कार

भोपाल का माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय इन्हीं के नाम पर स्थापित किया गया !

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"